

143
4.30

संख्या-1740 /XVIII-(2)/17-15(15)/2016

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली निदेशक,
आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र (DMMC),
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 04 अगस्त, 2017

विषय:-

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा राज्य अंतर्गत संचालित
"Sustainable Reduction in disaster Risk in 10 Multi Hazard Prone
Districts in 10 Multi Hazard Prone Districts in five States in India" के
अंतर्गत संचालित परियोजना हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-306/DMMC/XIV-528(2015-16),
दिनांक 05 जुलाई, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपदा प्रबन्धन
प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा राज्य अंतर्गत संचालित "Sustainable Reduction in disaster Risk
in 10 Multi Hazard Prone Districts in 10 Multi Hazard Prone Districts in five States in
India" परियोजना के अंतर्गत भारत सरकार के पत्र संख्या-38-10/2016-NDM-II, दिनांक
22.09.2016 द्वारा प्राप्त ₹ 39,63,200.00 लाख (द्विचालीस लाख तिरसठ हजार दो सौ मात्र) की
धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखे जाने एवं आहरित कर जिलाधिकारी/अध्यक्ष, डी.डी.एम.ए.,
उत्तरकाशी एवं चमोली को व्यय किये जाने हेतु उपलब्ध कराये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न
शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी मद में किया जायेगा जिस मद हेतु धनराशि स्वीकृत की
गयी है।
- 2- स्वीकृत धनराशि के उपयोग के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे तत्काल
शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- 3- योजना का संचालन डी.डी.एम.ए., उत्तरकाशी एवं चमोली द्वारा किया जाएगा।
- 4- योजना से सम्बन्धित भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का अनुपालन योजना के क्रियान्वयन
हेतु सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के
सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्यता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का
अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाना
आवश्यक होगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का कौषागार से आवश्यकतानुसार ही आहरण किया
जाए और यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो वह दिनांक 31.03.2018 तक अथवा उससे पूर्व
शासन को समर्पित कर दी जाएगी।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्यय अनुदान
संख्या-06 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-102-विनाश वाले
क्षेत्रों में आकस्मिक योजनाओं का प्रबन्धन-सामान्य-0106-भारत सरकार द्वारा सहायित आपदा
प्रबन्धन विषयक विभिन्न योजनाएं-42 अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

१८

8- यह आदेश वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-610/3(150)/XXVII(1)/2017, दिनांक 30 जून, 2017 में प्राप्त उनके आदेशों के कम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)

सचिव।

संख्या-1740(1)/XVIII-(2)/17-15(15)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबेराय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
- 2- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 4- जिलाधिकारी/अध्यक्ष, डी0डी0एम0ए0, उत्तरकाशी एवं चमोली।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरकाशी, चमोली।
- 6- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह पतिवाज)

उप सचिव।